rojgar with ankit

ऋग्वैदिक कालीन नदियाँ
Rigvedic Rivers

प्राचीन नाम	नया नाम
सिंधु । हिरण्य । हिरण्य	सिंधु
परुष्णी	रावी
वितस्ता	झेलम
सदानीरा	गण्डक
दृषदली	घग्घर
क्रुमु	कुर्रम
कुभा	काबुल
सुवस्तु	स्वात
आस्किनी	चिनाब
गोमत	गोमती
विपशा	व्यास
शतुद्री	सतलज
सरस्वती	देवीमाता । मातेतमा

ऋग्वैदिक कालीन देवता Rigvedic period deities

* Indra इन्द्र – युद्ध एवं वर्षा war and rain
* Fire अग्नि – अग्नि देवता
* Varuna वरुण – समुद्र, ऋतु परिवर्तन Sea Season change.
* Imp * Mon सोम – वनस्पति vegetable, औषधि (Medicine)
* Usha उषा – प्रगति एवं उत्थान progress and upliftment
  भोर की देवी
* Vishnu विष्णु – विश्व के संरक्षक एवं पालन कर्ता
  protection and sustainer of the world
* Marut मरुत – आँधी तूफान के देवता
  god of storm

ब्रह्मा – सृष्टी की रचना
शिव – सृष्टी के विनाशक

rojgar with ankit

ऋग्वेद मे शब्द words in rig veda.

Arya आर्य - 33/36
Indra इन्द्र - 250
Agni (अग्नि) - 200
Vishnu विष्णु - 100

Shiva/शिव - 3
Sindhu सिंधु - 55
Yamuna यमुना - 3
Ganga गंगा - 1
Saraswati सरस्वती - 50

आर्य/आर्यवर्त 37

पिता - 335
माता - 234
कृषि (Agriculture) - 33
सभा - 8
समिति - 9
राष्ट्र - 10
ग्राम - 13
ब्राह्मण - 15
वर्ण - 23
सोम देवता - 144

विदथ - 122 बार
↓
कबीले का राजा/सरदार
जन - 275 बार

सभा - राजा को सलाह देने वाली संस्था वृद्ध लोग भाग लेते थे।

समिती - इसमे आम जनता भाग लेते थे।

उपनिषद
→ अर्थ - गुरु के समीप बैठकर शिक्षा प्राप्त करना।
→ कुल - 108

कुल उपनिषद - 108 —
→ 4 सिर्फ गद्य मे 4 only in prose.
→ 2 गद्य और पद्य मे 2 In prose and poetry
→ 102 सिर्फ पद्य मे 102 only in poetry

Ex- चंपूकाव्य

4 - कठोपनिषद
2 - ईश उपनिषद
3 - श्वेतांबर उपनिषद
4 - मैत्रेणपी उपनिषद

② प्रश्न उपनिषद, केन उपनिषद → ये दोनो उपनिषद चम्पू काव्य के उदाहरण है।
↓
गद्य+पद्य

Both these Upanishads are examples of champu poetry.

rojgar with ankit

सबसे बडा उपनिषद ⟶ वृहदारण्यक उपनिषद
Longest Upanishad – Brihadaranyaka Upanishad.

सबसे छोटा – माडूक्यो उपनिषद
Smallest – Mandukyo Upanishad

सबसे पुराना उपनिषद
Oldest Upanishad
↳ छांदोग्य उपनिषद
Chandogya Upanishad

मुण्डकोउपनिषद – सत्यमेव जयते Imp
Mundakoupanishad – Satyameva Jayet

गार्गी और याज्ञवल्क्य संवाद
↳ याज्ञवल्क्य, मैत्रेयी
कात्यायनी संवाद
Imp तमसो मा ज्योतिर्गमय
↳ अंधकार से प्रथम की ओर

16 संस्कारों का वर्णन व्यास स्मृति, मनुस्मृति और धर्मशास्त्रों मे मिलता है। Description of 16 rituals is Found in Vyas Smriti Manusmriti and Dharmashastras.

* गर्भाधान संस्कार
* पुंसवन संस्कार
* समिन्तोत्रयन संस्कार (शिशु सुरक्षा)
* जातकर्म संस्कार (बच्चे को शहद चटाया जाता है।)
* नामकरण संस्कार
* निष्क्रमण संस्कार (बाहर निकला सूर्य और चंद्रमा के दर्शन)
* अन्नप्रशन संस्कार
* चूडाकर्म संस्कार (मुंडन)
* विद्यारंभ संस्कार (शिक्षा)

साकेत माता – गर्भ } 16 संस्कार
↳ मृत्यु

rojgar with ankit

कर्णभेदन संस्कार Ear piercing Ceremony.
पज्ञोपवीत संस्कार Yogyopavit Ceremony. जनेऊ
वेदारंभ संस्कार Vedarambha Ceremony.
↳ बच्चे को वेदो का ज्ञान (आश्रम) / गुरुकुल

केशांत Keshantha – गुरुकुल से विदाई
समावर्तन Samavartan – गृहस्थ आश्रम मे प्रवेश
विवाह (Marriage)
अन्त्योष्टि Antyoshti
↳ मृत्यु के पश्चात किये जाने वाले कर्मकाँड

मोहनजोदडो
विशाल स्नानागार
ल० ⇒ 11.89 (लगभग) – 12m
चौ० ⇒ लगभग ⇒ 7m
गहराई ⇒ 2.44m

वेद ऋग्वेद
उत्तरवैदिक काल
- सामवेद
- यजुर्वेद
- अथर्ववेद